राजनीतिक दल

प्रदोष कुमार

परिभाषा :- एक विवेकशील प्राणी है और मानव की इस विवेकशीलता के कारण एक ही प्रकार की समस्याओं के संबंध में विभिन्न व्यक्तियों द्वारा विभिन्न प्रकार से विचार किया जाता है। विचारो की इस भिन्नता के साथ ही साथ अनेक व्यक्तियो में आधारभूत बातो के संबंध में विचारो की साम्यता भी पाई जाती है।विचारो की समानता रखने वाले ये व्यक्ति अपनी सामान्य विचारधारा के आधार पर शासन शक्ति प्राप्त करने और अपनी नीति को कार्य रूप में परिणत करने के लिए प्रयत्नशील रहते है और इसी उद्देश्य को दृष्टि में रखकर उनके द्वारा जिन संगठन का निर्माण किया जाता है, उन्हें ही राजनीति दाल कहा जाता है। राजनीतिक दल के परिभाषा के संबंध में विभिन्न विचारकों का मत अलग अलग है:

एडमण्ड बर्क के अनुसार,"राजनीतिक दल ऐसे लोगों का समूह है जो किसी ऐसे सिद्धान्त के आधार पर जिस पर वो एक मत हो, आने सामूहिक प्रयत्नों द्वारा जनता के हित मे काम करने के लिए एकता में बंधे होते हैं।"

गिलक्राइस्ट के शब्दों में, "राजनीतिक दल कि परिभाषा उन नागरिकों के संगठन के समूह के रूप में की जा सकती है जो राजनीतिक रूप से एक विचार के हों और एक राजनीतिक इकाई के रूप में कार्य कर सरकार पर नियंत्रण करना चाहते हो।"

इसी प्रकार मैकइवर के शब्दों में," राजनीतिक दल एक ऐसा समुदाय है जो किसी ऐसे सिद्धान्त अथवा ऐसी नीति के समर्थन के लिए संगठित हुआ हो, जिसे वह वैधानिक साधनों से सरकार का आधार बनाना चाहता हो।"

राजनीतिक दल के आवश्यक तत्व

Scanned with CamScanner

एडमण्ड बर्क, गैटल,, गिलक्राइस्ट, मैकाइवर,आदि विद्वानों के द्वारा राजनीतिक दल की जो परिभाषा दी गई हैं ,उनके आधार पर इन दलों के निम्नलिखित आवश्यक तत्व बताये जा सकते हैं:

1.संगठन-राजनीतिक दल का प्रथम आवश्यक तत्व यह है कि वे संगठन होने चाहिए।आधारभूत समस्याओं के संबंध में एक ही प्रकार का विचार रखने वाले व्यक्ति जब तक संगठित न हों उस समय तक उन्हें राजनीतिक दल नही कहा जा सकता ।राजनीतिक दलों की शक्ति उनके संगठन और निर्भर करती है और संगठन के आधार पर ही उनके द्वारा शासन शक्ति प्राप्त कर अपनी नीति को कार्य रूप में परिणत करने का प्रयत्न किया जा सकता है।

2. सामान्य सिद्धांतों की एकता राजनीतिक दल का संगठित रूप में कार्य करना उसी समय संभव है जबकि राजनीतिक दल के सदस्य की नहीं सामान्य सिद्धांतों के संबंध में एक ही प्रकार का विचार रखते हो मूल प्रश्नों पर इस प्रकार की एक माता के अभाव में परस्पर सहयोग नहीं कर सकते हैं यदि कुछ व्यक्ति अपने किन्ही विशेष स्वार्थों के आधार पर संगठन की स्थापना कर लेते हैं तो इस प्रकार के सिद्धांत इन संगठनों को राजनीतिक दल 9 कहकर गुट ही कहा जा सकता है

3. संवैधानिक साधनों में विश्वास राजनीतिक दल के लिए यह आवश्यक है कि वह अपने नीति या विचारों को कार्य रूप में परिणत करने के लिए संवैधानिक मार्ग का अनुसरण करें मतदान और मतदान के निर्णय में उनका आवश्यक रूप में विश्वास होना चाहिए गुप्त उपाय या सशस्त्र क्रांति जैसे और संवैधानिक साधनों में विश्वास रखने वाले संगठनों को राजनीतिक दल नहीं कहा जा सकता उदाहरणार्थ नाजी दल या फांसी दल विशुद्ध राजनीतिक दल ना होकर क्रांतिकारी सैनिक संगठन थे

4. शासन पर प्रभुत्व की इच्छा राजनीतिक दल का एक तत्व यह होता है कि उनका उद्देश्य शासन पर प्रभुत्व स्थापित कर अपने विचारों और नीतियों को कार्य

Scanned with CamScanner

रूप में परिणत करना होता है यदि कोई संगठन शासन के बाहर रहकर कार्य करना चाहता है तो इसे राजनीतिक दल नहीं कहा जा सकता है

5. राष्ट्रीय हित राजनीतिक दल के लिए यह आवश्यक है कि उनके द्वारा किसी विशेष जाति धर्म या वर्ग के हित को दृष्टि में रखकर नहीं बल्कि संपूर्ण राज्य के हित को दृष्टि में रखकर कार्य किया जाना चाहिए वर्क ने राजनीतिक दल की परिभाषा करते हुए उन्हें राष्ट्रीय हित की वृद्धि के लिए संगठित राजनीतिक समुदाय ही कहा है

उपर्युक्त तथ्यों के आधार पर राजनीतिक दल की अपने शब्दों की परिभाषा करते हुए कहा जा सकता है कि राजनीतिक दल आधारभूत समस्याओं के संबंध में विचारों की एकता पर आधारित ऐसे संगठित समुदाय होते हैं जिनके द्वारा अपने विचारों को कार्य रूप में परिणत करने के लिए केवल संवैधानिक साधनों को ही अपना कर शासन शक्ति पर प्रभुत्व स्थापित करने का प्रयत्न किया जा सकता है और जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय हित में वृद्धि होती है

Scanned with CamScanner